भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 911
गुरुवार, 07 दिसंबर 2023/16 अग्रहायण, 1945 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तनों का निजीकरण

911. एडवोकेट डीन कुरियाकोस:
श्री एंटो एन्टोनी:
श्री टी. एन. प्रथापनः
श्री के. सुधाकरन:
एडवोकेट अद्वूर प्रकाश:
श्री सप्तगिरी शंकर उलाका:
डॉ. ए. चेल्लाकुमार:
श्री मोहम्मद फैजल पी.पी.:
श्री के. मुरलीधरन:
श्री बैन्नी बेहननः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2014 से अब तक कितने विमानपत्तनों का निजीकरण किया गया है;

(ख) वर्तमान में विमानपत्तन का संचालन करने वाली कंपनियों का विमानपत्तन-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार की आगामी पांच वर्षों में किन-किन विमानपत्तनों का निजीकरण करने की योजना है:

(घ) इन परिसंपत्तियों के निजीकरण के लिए सरकार का औचित्य क्या है;

(ङ) क्या सरकार का कन्नूर अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन का निजीकरण करने का विचार है: और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल) (डॉ.), विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)

(क) और (ख): सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत हवाईअड्डों के बेहतर प्रचालन, प्रबंधन तथा विकास हेतु भाविप्रा ने वर्ष 2014 से लखनऊ, अहमदाबाद, मंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में अवस्थित अपने छह हवाईअड्डे पट्टे पर दे दिये हैं। वर्तमान में इन हवाईअड्डों का प्रचालन कर रही कंपनियों का विवरण इस प्रकार है:

(1) चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, लखनऊ - मैसर्स लखनऊ इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एलआईएएल)

(2) सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, अहमदाबाद - मैसर्स अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एआईएएल)

(3) मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा - मैसर्स मंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमएआईएएल)

(4) जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा - मैसर्स जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जेआईएएल)

(5) लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, गुवाहाटी - मैसर्स गुवाहाटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीआईएएल)

(6) तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा - मैसर्स टीआरवी-केरल इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (टीआईएएल)

(ग): राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के अनुसार, 25 भाविप्रा हवाईअड्डों नामतः, भुवनेश्वर, वाराणसी, अमृतसर, त्रिची, इंदौर, रायपुर, कालीकट, कोयंबटूर, नागपुर, पटना, मदुरै, सूरत, रांची, जोधपुर, चेन्नई, विजयवाड़ा, वडोदरा, भोपाल, तिरूपति, हुबली, इम्फाल, अगरतला, उदयपुर, देहरादून और राजमुंदरी, को वर्ष 2022 से 2025 के दौरान पट्टे पर देने के लिए चिह्नित किया गया है।

(घ): निजी क्षेत्र की दक्षता और निवेश का उपयोग करके बेहतर प्रबंधन हेतु भाविप्रा हवाईअड्डों को पट्टे पर दिया जाता है। राज्य और यात्री, निजी भागीदार द्वारा तैयार किए गए उन्नत हवाईअड्डा अवसंरचनाओं और सुविधाओं के अंतिम लाभार्थी हैं, जो पीपीपी के तहत पट्टे पर दिए गए हवाईअड्डों का प्रचालन, प्रबंधन एवं विकास करते हैं। हवाईअड्डे आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभर कर आए हैं तथा राज्य के आर्थिक व्यवस्था पर इसका गुणक प्रभाव पड़ता है। पट्टे पर दिए गए हवाईअड्डों से भाविप्रा को प्राप्त होने वाले राजस्व का उपयोग देश भर में हवाईअड्डों के अवसंरचनाओं के विकास में भी किया जाता है।

(ङ) और (च): केरल में अवस्थित कन्नूर हवाईअड्डा, अंतरराष्ट्रीय ग्रीनफ़ील्ड हवाईअड्डा है, जिसे केरल सरकार (जीओके) ने संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी), नामतः कन्नूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (केआईएएल) के माध्यम से, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत विकसित किया है, जिसमें विभिन्न निजी निवेशकों, व्यक्तियों, बैंकों, सोसाइटियों, पीएसयू, इत्यादि की इक्विटि भागीदारी है।

*****